# Hita an Usign The Gazette of India

## धसामारण

# EXTRAORDINARY

भाग II--- सण्ड 3--- अपसण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

# PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 151]

नई (बेरुली, बृहस्पतिवार, मई 25, 1972/ज्येंब्ट 4, 1894

No. 151)

NEW DELHI, THURSDAY, MAY 25, 1972/JYAISTHA 4, 1894

स भाग में भिन्न रूट तंख्या दी जाती है जिससे कि यह ग्रजग तंकलन के कर में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

### MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture)

NOTIFICATION

New Delhi, the 24th May, 1972

G.S.R. 288(E).—In exercise of the powers conferred by clause (1) of article 258 of the Constitution and of all other powers enabling him in this behalf, the President, with the consent of the Government of Tripura, hereby entrusts, the functions of the Central Government under the Land Acquisition Act, 1894 (1 of 1894) [except the function exercisable by the Central Government under the proviso to sub-section (1) of section 55 of that Act], in relation to the acquisition of land for the purposes of the Union in the State of Tripura, subject to the following conditions, namely:—

- (a) that in the exercise of such functions, the Government of Tripura shall comply with such general or special directions as the Central Government may, from time to time, issue; and
- (b) that notwithstanding the entrustment, the Central Government may itself exercise any of the said functions should it deem fit to do so in any case.

[No. F. 3-10/72-Lands.] B. B. VOHRA, Jt. Secy. कृषि मंत्रालय (कृषि विभाग) ग्रधिसूचना

नई दिल्ली, 24 मई, 1972

सा० का० नि० 288.—राष्ट्रपति, संविधान के धनुक्छेद 258 के खण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस निमित्त उन्हें समर्थ बनाने वाली सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए, विपुरा सरकार की सम्मति से, एतद्वारा भूमि प्रजेन प्रधिनियम, 1894 (1894 का 1) के प्रधीन भूमि धर्जन के सम्वन्ध में [उस ध्रधिनियम की धारा 55 की उपधारा (1) के परन्तुक के प्रधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा प्रयोग्तवस्य कृत्य के सिवाय] केन्द्रीय सरकार के कृत्य, मंध के प्रयोजन के लिए विपुरा राज्य को निम्नलिखित शतों के ध्रधीन रहते हुए सौंपते हैं, प्रर्थात् :——

- (क) ऐसे क़ृत्यों के निर्वहन में त्रिपुरा सरकार ऐसे साधारण या विशेष निदेशों का श्रनुपालन करेगी जो केन्द्रीय सरकार समय समय पर जारी करे; सथा
- (ख) कृत्यों के सींपे जाने पर भी यदि केन्द्रीय सरकार किसी मामले में ऐसा करना ठीक समझे तो उक्त कृत्यों में से किसी का निर्वेहन स्वयंय कर सकेगी।

[सं० एफ० 3-10/72-ल-इस] बी० बी० बोहरा, संयुक्त समिता।